# ED-354

M.A. 2nd Semester
Examination, May-June 2021

**HINDI**

Paper - VIII

## आधुनिक गद्य साहित्य
## (उपन्यास, निबन्ध एवं कहानी)

*Time* : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

**नोट** : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

**1.** निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) मैं नहीं कहता, देवियों को विद्या की जरूरत नहीं है, और पुरुषों से अधिक मैं

नहीं कहता, देवियों को शक्ति की जरूरत नहीं है। है, पुरुषों से अधिक। लेकिन वह विद्या और वही शक्ति नहीं जिससे पुरुष ने संसार को हिंसा क्षेत्र बना डाला है। अगर वही विद्या और वही शक्ति आप भी ले लेंगी, तो संसार मरुस्थल हो जाएगा। आपकी विद्या और आपका अधिकार हिंसा और विध्वंस से नहीं सृष्टि और पालन में है। क्या आप समझती हैं। वोटों से मानव जाति का उद्धार होगा, या दफ्तरों में और अदालतों में जवान और कलम चलाने में? इन नकली अप्राकृतिक, विनाशकारी अधिकारों के लिए आप वह अधिकार छोड़ देना चाहती हैं, जो आपको प्रकृति ने दिए हैं।

(ख) जिस सौन्दर्य की भावना में मग्न होकर मनुष्य पृथक अपनी सत्ता की प्रतीति का विसर्जन करता है, वह अवश्य एक दिव्य विभूति का अवलम्बन करते हैं तुलसी और सूर ऐसे सगुणोपासक भक्त राम और कृष्ण की सौन्दर्य-भावना में मग्न होकर ऐसी मंगल-दशा का अनुभव कर गए हैं जिसके सामने कैवल्य या मुक्ति की कामना का कहीं पता नहीं लगता।

(ग) अब दोनों जाते हैं। मेरे भाग! तुम्हें याद है, एक दिन ताँगे वाले का घोड़ा दही वाले की दुकान के पास बिगड़ गया था। तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाए थे। आप घोड़े की लातों में चले गए थे और मुझे उठाकर दुकान के तख्ते पर खड़ा कर दिया था। ऐसे ही इन दोनों को बचाना। यही मेरी भिक्षा है। तुम्हारे आगे मैं आँचल पसारती हूँ।

(घ) मधुलिका ने राजा का प्रतिदान, अनुग्रह नहीं लिया। वह दूसरे खेतों में काम करती और चौथे पहर रुखी-सूखी खाकर पड़ी रहती। मधूक वृक्ष के नीचे छोटी-सी पर्णकूटी थी, सूखे डण्ठलो से उसकी दीवार बनी थी, मधुलिका का वही आश्रम था। कठोर परिश्रम से जो रुखा अन्न मिलता, वही उसकी साँसों को बढ़ाने के लिए पर्याप्त था। दुबली होने पर भी उसके अंग पर तपस्या की कान्ति थी। आसपास के कृषक उसका आदर करते थे वह एक आदर्श बालिका थी दिन, सप्ताह, महीने, वर्ष बीतने लगे।

(ङ) गजाधर बाबू ने आहत दृष्टि से पत्नी को देखा। उन्होंने अनुभव किया कि वह पत्नी और बच्चों के लिए केवल धनोपार्जन के निमित मात्र हैं। जिस व्यक्ति के अस्तित्व से पत्नी माँग में सिन्दूर डालने की अधिकारणी है, समाज में उसकी प्रतिष्ठा है, उसके सामने वह दो वक्त भोजन की थाली रख देने में सारे कर्त्तव्यों से छुट्टी पा जाती है वह घी और चीनी के डिब्बे में इतनी रमी हुई कि अब वही उनकी सम्पूर्ण दुनिया बन गई है, गजाधर बाबू उनके जीवन के केन्द्र नहीं हो सकते।

**2.** ''भारतीय किसान की संघर्ष गाथा ही 'गोदान' का मुख्य विषय है।'' इस कथन की युक्तिसंगत समीक्षा कीजिए। 10

***अथवा***

हिन्दी में 'ललित निबन्ध' के विकास पर प्रकाश डालते हुए आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

**3.** 'कविता' क्या है? शीर्षक निबन्ध का सारांश लिखिए अथवा निबन्ध में वर्णित शुक्ल जी की मान्यताओं का प्रतिपादन कीजिए। 10

***अथवा***

डॉ० विधानिवास मिश्रा के निबन्धों की विशेषताएँ बताइए और उनकी भाषा-शैली विषयक उपलब्धियों पर भी प्रकाश डालिए।

**4.** प्रसाद जी की कहानी 'पुरस्कार' की समीक्षा कहानी के तत्वों के आधार पर कीजिए। 10

*अथवा*

मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का वर्णन कीजिए।

**5.** निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघु-उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5

(*i*) 'गोदान' उपन्यास के आधार पर डॉ० मेहता की ग्रामीण युवती द्वारा सेवा का वर्णन कीजिए।

(*ii*) बाणभट्ट की आत्मकथा का सामान्य परिचय लिखिए।

(*iii*) रामवृक्ष बेनीपुरी का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

(*iv*) हरिशंकर परसाई के व्यंग्य वैष्णव की फिसलन का सारांश लिखिए।

(*v*) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी के व्यक्तित्व का वर्णन कीजिए।

(*vi*) दादीमा का क्रोध स्नेह में क्यों बदल गया?

(*vii*) बादलों के घेरे कहानी का विश्लेषण कीजिए।

**6.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(*i*) गोदान के दो स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।

(*ii*) डॉ० रामविलास शर्मा किस युग के रचनाकार हैं?

(*iii*) 'कुटज' के माध्यम से लेखक ने क्या सन्देश दिया है?

(*iv*) सात्विक वृत्ति वालों को कौन-सा मनोविकार बचाता है?

(*v*) 'उसने कहा था' कहानी में पृष्ठभूमि कहाँ की है?

(*vi*) लहना की पलटन किससे लड़ रही थी?

(*vii*) 'पुरस्कार' कहानी का सर्वमुख या प्रधान पात्र है।

(*viii*) अरुण कहाँ का राजकुमार था?

(*ix*) 'वापसी' कहानी किसकी लिखी हुई है?

(*x*) बड़े आदमी हैं चुप पड़े रहे – यह किसकी भाषा है ?

(*xi*) गजाधर बाबू को कहाँ नौकरी मिल गयी थी ?

———